एक बिल्ली का बच्चा बहुत नहीं होता

डोरोथी लेवेन्सन

चित्र: मैरी हाउगे

एक बिल्ली का बच्चा बहुत नहीं होता

डोरोथी लेवेन्सन

चित्र: मैरी हाउगे

ज़रा उस बिल्ली को देखो.

वो बड़ी मोटी है, और उसे नींद आ रही है.

वो डूली परिवार के साथ रहती है.

यह मिसेज़ डूली हैं.

यह मिस्टर डूली हैं.

यह सू है.

और यह मैरी है.

एक दिन मोटी बिल्ली के बच्चे हुए.

एक, दो, तीन, चार बच्चे हुए.

मोटी बिल्ली के बच्चे बड़े नहीं थे.

वे मोटे भी नहीं थे.

और उन्हें नींद भी नहीं आ रही थी.

उन्हें दौड़ना और कूदना पसंद था.

वे ऊपर-नीचे भागते थे.

वे ऊपर-नीचे और अंदर-बाहर कूदते थे.

ऐसा लगता था कि जैसे वे हर जगह हों.

एक बिल्ली का बच्चा कभी यहाँ होता

तो कभी वहाँ होता......

कभी यहाँ....

....तो कभी वहाँ.

फिर मिस्टर डूली को अपनी टोपी में एक बिल्ली का बच्चा मिला.

उन्हें अपने बिस्तर पर एक बिल्ली का बच्चा लेटे हुए मिला.

उन्हें अपनी किताबों पर एक बिल्ली का बच्चा चलता हुआ मिला.

अंत में उन्होंने कहा:

"हमारे यहाँ बहुत सारे बिल्ली के बच्चे हैं!

उन्हें हमारे घर से जाना चाहिए!"

"अरे नहीं!" सू रोई.

"अरे नहीं, डैडी!" मैरी रोई.

"ओह, नहीं, प्रिय!" मिसेज़ डूली ने कहा.

"ठीक है, ज़रा उन्हें देखो! मिस्टर डूली ने कहा.

"यहाँ से जाओ!" वो चिल्लाए.

फिर वो बिल्ली के बच्चों के पीछे भागे.

"बाहर जाओ!" वो चिल्लाए.

"चार बिल्ली के बच्चे बहुत ज़्यादा होते हैं!"

"प्लीज, डैडी!" सू ने कहा.

"कृपया!" मैरी ने कहा.

"कृपया प्रिय!" मिसेज़ डूली ने कहा.

उस रात मिस्टर डूली थोड़ी देर से घर आए.

"आज रात में खाने को क्या है?" उन्होंने पूछा.

"मुझे बड़ी भूख लगी है."

"ठीक है, ठीक है!" मिस्टर डूली ने कहा.

"देखो, यह आखिरी बार...है!"

"मैंने रात के खाने में मछली बनाई है,“

मिसेज़ डूली ने कहा.

"अच्छा," मिस्टर डूली ने कहा.

"मुझे मछली पसंद है.

चलो तुरंत खाना खा लेते हैं."

फिर परिवार खाना खाने को बैठा.

लेकिन मछली कहाँ थी?

मछली, कढ़ाई में नहीं थी.

मछली, मेज पर भी नहीं थी.

बिल्ली के बच्चों ने मछली खा ली थी.

उन्हें मछली बहुत अच्छी लगी!

"बाप रे!" मैरी ने कहा.

"ज़रा देखो!" सू ने कहा.

"सत्यानाश!" मिस्टर डूली ने कहा.

"मेरा खाना! मेरी मछली!

बिल्ली के बच्चे भागो! अभी, तुरंत!"

"हे भगवान!" मिसेज़ डूली ने कहा.

फिर मिस्टर डूली ने एक बड़ा डिब्बा लिया.

फिर वो बिल्ली के बच्चों के पीछे भागे.

"पकड़ो, बिल्लियों को पकड़ो!" वो चिल्लाए.

बिल्ली के बच्चे अपनी माँ के लिए रोए.

मोटी बिल्ली अपने छोटे बच्चों के लिए रोई.

अंत में मिस्टर डूली ने चारों बिल्ली के बच्चे पकड़े.

उन्होंने उनको एक डिब्बे में डाला.

मैरी रोई.

सू रोई.

मिसेज़ डूली रोईं.

लेकिन मिस्टर डूली ने कहा: "वे बहुत सारे बिल्ली के बच्चे हैं!

वे अब हमारे घर में नहीं रह सकते!"

मिस्टर डूली, बिल्ली के बच्चों के डिब्बे को ले गए.

वो उन्हें मिस्टर ब्राउन के पालतू जानवरों की दुकान पर ले गए.

"अरे, बिल्ली के बच्चे!" मिस्टर ब्राउन ने कहा.

"हाँ, मैं उन्हें ज़रूर लूँगा.

क्योंकि सभी लोग बिल्ली के बच्चे पसंद करते हैं.

मैं उन सभी को आसानी से बेच सकता हूं."

मिस्टर ब्राउन ने बिल्ली के बच्चों को अपनी दुकान की खिड़की में रखा.

अगले दिन सू स्कूल गई.

रास्ते में वो पालतू जानवरों की दुकान के सामने से गुज़री.

वहां पर खिड़की में चार बिल्ली के बच्चे थे.

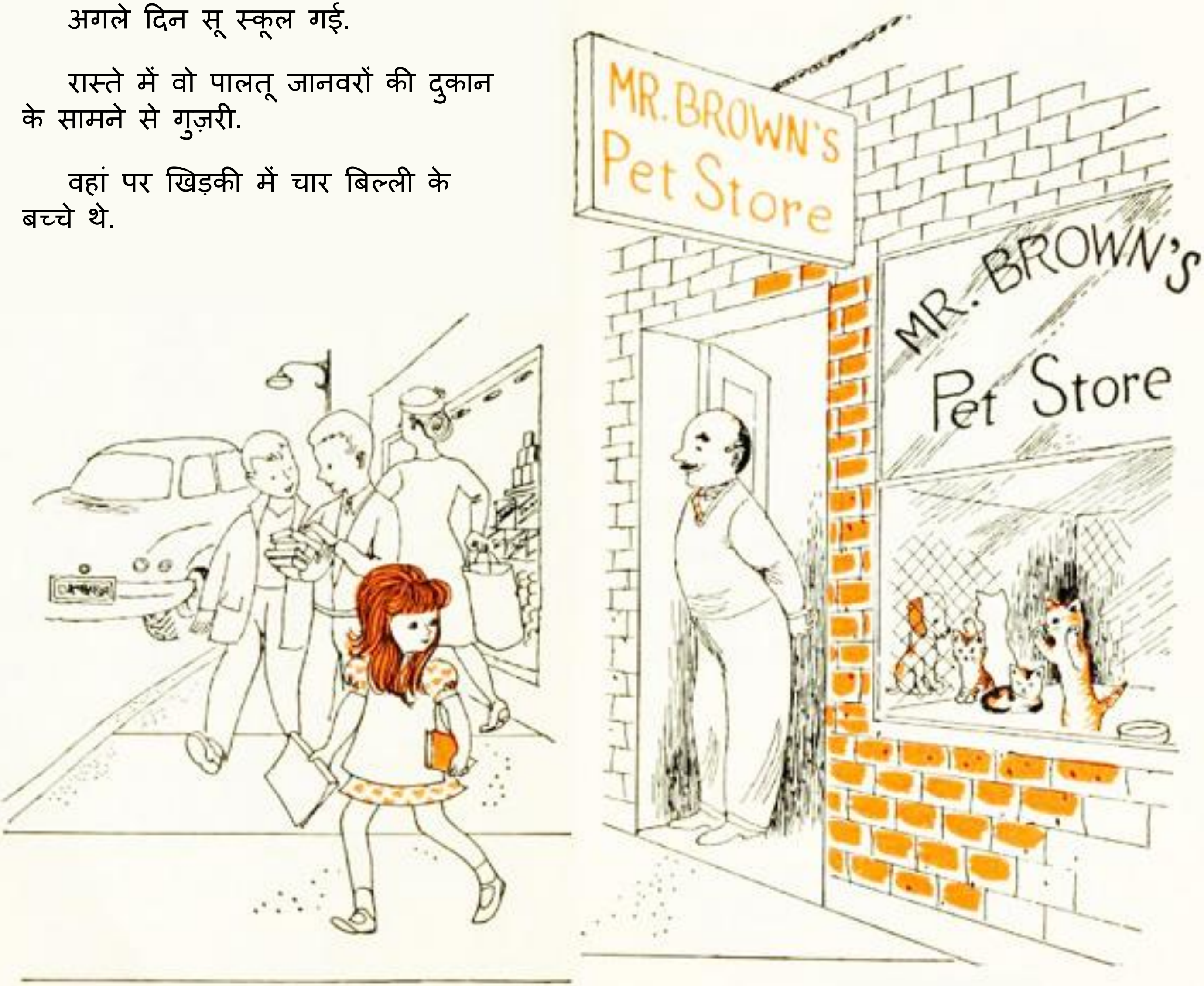

घर वापिस जाते समय सू फिर से पालतू जानवरों की दुकान के पास से निकली.

वहां खिड़की में चार बिल्ली के बच्चे थे.

सू ने फिर उनकी ओर देखा.

फिर उसने कहा:

"एक बिल्ली का बच्चा बहुत अधिक नहीं होता है."

मैरी भी स्कूल के रास्ते में

पालतू जानवरों की दुकान के पास से गुज़री.

उसने भी बिल्ली के बच्चे देखे.

घर लौटे वक्त वो फिर से उन्हें देखने के लिए रुकी.

"अरे," उसने कहा, "अब केवल तीन ही बचे हैं!"

सू पालतू जानवरों की दुकान में गई और वो एक बिल्ली का बच्चा लेकर बाहर निकली.

सू दौड़ते हुए घर पहुंची.

लेकिन उसने बिल्ली के बच्चे के बारे में किसी को नहीं बताया.

"रात के खाने के बाद मैं सबको आश्चर्यचकित करूंगी," उसने कहा.

मैरी, पालतू जानवरों की दुकान में गई.

"हेलो!" मिस्टर ब्राउन ने उससे कहा.

"हेलो!" मैरी ने कहा.

"मैं एक बिल्ली का बच्चा खरीदना चाहती हूँ.
एक बिल्ली का बच्चा बहुत ज्यादा तो नहीं होगा?"

"बिल्कुल नहीं," मिस्टर ब्राउन ने कहा.

"एक बिल्ली का बच्चा बिल्कुल सही है."

मैरी, बिल्ली के बच्चे को लेकर पूरे रास्ते भागती हुई गई.

लेकिन उसने बिल्ली के बच्चे के बारे में किसी को नहीं बताया.

"रात के खाने के बाद मैं उससे सबको आश्चर्य में डालूंगी," उसने कहा.

उसने बिल्ली के बच्चे को अपने कमरे में छिपाकर रखा.

उस दिन मिसेज़ डूली

पालतू जानवरों की दुकान में गईं.

उन्होंने खिड़की में दो बिल्ली के बच्चे देखे.

मिसेज़ डूली दुकान में गई.

"आपका दिन शुभ हो," उन्होंने कहा.

"आपका दिन भी शुभ हो," मिस्टर ब्राउन ने कहा.

"बिल्ली के बच्चों की बिक्री के लिए आज का दिन बहुत अच्छा है."

"मैं भी बस वही चाहती हूँ," मिसेज़ डूली ने कहा.

"एक बिल्ली का बच्चा. क्योंकि एक बिल्ली का बच्चा बहुत ज्यादा नहीं होगा."

मिसेज़ डूली बिल्ली के बच्चे को घर ले गई.

उन्होंने बिल्ली के बच्चे को अपने कमरे में छिपाकर रखा.

"रात के खाने के बाद मैं उससे सबको चकित करूंगी," उन्होंने कहा.

घर वापिस आते समय मिस्टर डूली भी पालतू जानवरों की दुकान के सामने से गुज़रे.

उन्हें खिड़की में केवल एक बिल्ली का बच्चा ही दिखा.

"अरे!" उन्होंने कहा.

"अब केवल एक बिल्ली का बच्चा ही बचा है. एक बिल्ली का बच्चा बहुत अधिक नहीं होगा."

फिर मिस्टर डूली दुकान में गए.

वो दुकान में से एक बिल्ली का बच्चा लेकर बाहर निकले.

"मैं रात के खाने के बाद इससे सबको आश्चर्यचकित करूंगा," उन्होंने कहा.

उन्होंने अपने बिल्ली के बच्चे को एक डिब्बे में छिपाकर रखा.

जल्द ही रात के खाने का समय आया.

डूली परिवार के सभी लोग खाने के लिए बैठे.

मिसेज़ डूली ने कहा:

"मुझे मोटी बिल्ली को कुछ दूध देना चाहिए."

उन्होंने एक बर्तन में थोड़ा दूध डाला

और कहा: "बिल्ली आओ, बिल्ली आओ!"

मोटी बिल्ली आई.

लेकिन उसके पीछे-पीछे बिल्ली के बच्चे भी आए!

एक बिल्ली का बच्चा,

दो बिल्ली के बच्चे,

तीन बिल्ली के बच्चे,

चार बिल्ली के बच्चे!

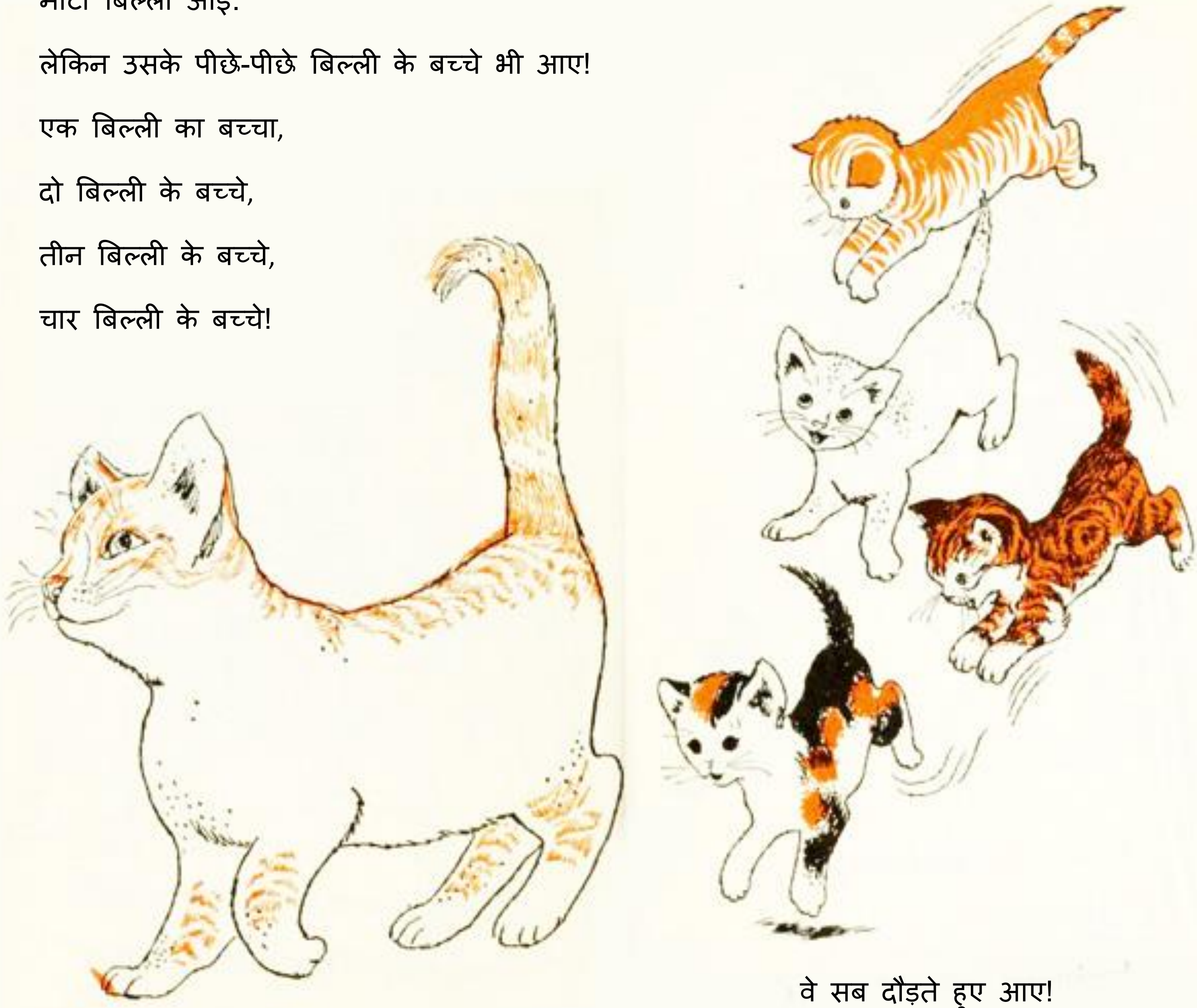

वे सब दौड़ते हुए आए!

"अरे नहीं!" मिस्टर डूली ने कहा. "इतने सारे बिल्ली के बच्चे! वे सब यहाँ कैसे पहुँचे?"

सू ने कहा: "मैं एक बिल्ली का बच्चा लाई ..."

और मैरी ने कहा: "मैंने भी वही किया!"

मिसेज़ डूली ने कहा: "मैंने भी किया!"

और मिस्टर डूली ने कहा, "मैंने भी वही किया!"

उन सबने मिलकर मिस्टर डूली की ओर देखा.

उन्होंने चारों बिल्ली के बच्चों को भी देखा.

फिर मिस्टर डूली हंसने लगे.

"ठीक है," उन्होंने कहा, "एक बिल्ली का बच्चा बहुत अधिक नहीं होता है, इसलिए हम सभी एक-एक बिल्ली का बच्चा रखेंगे.

सू के लिए एक बिल्ली का बच्चा.

मैरी के लिए एक बिल्ली का बच्चा.

माँ के लिए एक बिल्ली का बच्चा.

और मेरे लिए एक बिल्ली का बच्चा!"

समाप्त